

सब गोकुल के शाम

बन्दे सब गोकुल के शाम
कृष्ण वही है कंस वही है वही रावण वही राम

हर अंतर में हरी का वासा
जीव फिरे क्यों दर दर प्यासा
मन मंदिर से मुख बन्दे कोई बड़ा नहीं धाम

करम बुरा है कर्मा भला है
इन कर्मों से जीव बंधा है
अपने गुणों से कोई रावण अपने गुणों से राम

कर्म की पूजा नाम की नहीं
नाम की हो तो इस जग माहि
जग में फिरे इ लाखो बन्दे धर के कृष्ण का नाम

स्वर : [कपिल शर्मा](#)

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1322/title/sab-gokul-ke-sham-krishna-vahi-hai-kans-vahi-hai-vahi-raavan-vahi-raam>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |